सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 64 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 8 अप्रैल, 2025
मूल्य ₹ 3/-

एडिसन इलेक्ट्रिक बल्ब बनाने में 10,000 बार विफल हुए। यदि आप कई बार विफल हो जाते हैं तो हिम्मत मत हारिये।
-नेपोलियन हिल

10 साल बाद आरसीबी ने मुंबई को... 7 | मद्धिम पड़ रहा नवीन का पुराना... 3 | 'पीडीए के साथ भेदभाव के लिए... 2

# तेल कंपनियों की सुनियोजित वसूली!

## कच्चे तेल के दाम गिरे लेकिन नहीं कम हुए पेट्रोल के भाव

## सरकार के खजाने में आएंगे 32,000 करोड़

देश में हर साल 16,000 करोड़ लीटर पेट्रोल और डीजल की खपत होती है। इसलिए, उत्पाद शुल्क में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से सरकार को 32,000 करोड़ रुपये तक का फायदा हो सकता है।

# उल्टे गैस के सिलेंडर के बढ़ गये दाम

» **विपक्ष बोला- जब जनता को राहत की सबसे ज्यादा थी जरूरत, सरकार ने की मुनाफे की सबसे बड़ी वसूली**

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक समय था जब कच्चे तेल की कीमतों में इजाफे की खबर से लोग अपनी टंकियां फुल करा लेते थे। लेकिन अब कच्चे तेल की कीमतों में कमी के बाद भी पेट्रोल/डीजल के प्राइस कम नहीं हो रहे क्योंकि सरकार ने तेल पर उत्पादन शुल्क बढ़ा दिया जिससे आम जनता को कच्चे तेल की घटी कीमतों का लाभ नहीं मिला।

यही नहीं तेल कंपनियों ने घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफे का एलान कर दिया है। 8 अप्रैल यानि कि आज से प्रत्येक घरेलू सिलेंडर चाहे वह उज्जवला योजना वाला ही क्यों न हो पर 50 रूपेय प्रति सिलेंडर की

## रसोई गैस के दामों में भी बढ़ोत्तरी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने घोषणा की है कि सब्सिडी वाले और गैर-सब्सिडी वाले दोनों उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की जा रही है। यह बढ़ोतरी 8 अप्रैल यानि कि आज से लागू हो जाएगी। यह मूल्य वृद्धि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों के साथ-साथ दूसरे उपभोक्ताओं पर भी लागू होगी। बढ़ोत्तरी के बाद योजना वाले सिलेंडर 500 रुपए से बढ़कर 550 रुपए प्रति सिलेंडर हो जाएंगे। तो दूसरे उपभोक्ताओं के लिए यह कीमत 803 रुपए से बढ़कर 853 रुपए हो जाएगी।

## बढ़ गया उत्पाद शुल्क

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले टैक्स में भी बढ़ोतरी की है। इसे उत्पाद शुल्क कहते हैं। यह 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ाया गया है। इससे सरकार को लगभग 32,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई होगी। लेकिन, इसका असर पेट्रोल और डीजल के दामों पर नहीं पड़ेगा। कारण है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिर गई हैं। इससे पेट्रोलियम कंपनियों को फायदा होगा और वे इस बढ़े हुए टैक्स को खुद ही भर लेंगी।

## बाजार की मजबूरी या फिर...जरूरी

अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चा तेल 130 अमेरिकन डालर से घटकर 65 अमेरिकन डालर प्रति बैरल तक आ चुका है लेकिन फिर भी भारत में पेट्रोल की कीमतें 90 रुपये से 100 रुपये प्रति लीटर पर ही टिकी हैं। कच्चे तेल के दामों में भारी गिरावट के बाद भी भारत में पेट्रोल सस्ता नहीं हुआ। क्या यह बाजार की मजबूरी है या फिर सरकारी खजाने को टैक्स के जरिये भरने की राजनीतिक प्राथमिकताओं का पर्दाफाश है। जो कुछ भी हो विपक्ष ने सरकार के इस कदम की जोरदार आलोचना की है। अर्थशास्त्रियों की नजर में घरेलू गैस सिलेंडर के भाव बढ़ने से खाने पीने की चीजें और महंगी हो जाएगीं वहीं यदि सरकार कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का फायदा आम जनता तक पहुंचने देती तो बेहतर होता।

## सीएनजी 1 रुपये प्रति किलो महंगी

सरकार ने प्राकृतिक गैस की कीमतें भी बढ़ा दी हैं। इसके बाद दिल्ली और आसपास के शहरों में सीएनजी 1 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो गई है। दिल्ली में गैस बेचने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (इगल) ने सोशल मीडिया पर बताया कि अब दिल्ली में सीएनजी 75.09 रुपये प्रति किलोग्राम मिलेगी।

## घटनी चाहिए कीमतें : सपकाल

कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल ने बड़ी कीमतों का विरोध किया है। उन्होंने प्रेस कांफ्रेस कर कहा कि जब जनता को राहत की सबसे ज़रूरत थी, सरकार ने मुनाफे की सबसे बड़ी वसूली की। उनके मुताबिक पेट्रोल और डीजल की कीमतें क्रमश: 51 रुपये और 41 रुपये प्रति लीटर तक कम की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 65 डॉलर प्रति बैरल है फिर भी देश की जनता को अत्यधिक करों के जरिए लूटा जा रहा है।कांग्रेस नेता ने ईंधन पर लगाए गए करों और उपकर का ब्यौरा देने वाले श्वेत पत्र की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि यूपीए शासन के दौरान ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बारे में ट्वीट करने वाले लोग अब चुप क्यों हैं।

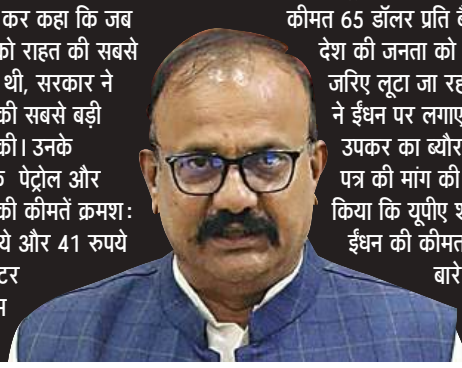

# 'पीडीए के साथ भेदभाव के लिए मनुस्मृति जिम्मेदार'

## » सपा मुखिया अखिलेश यादव बोले- भाजपा सरकार के दावे हवा-हवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि दद्दू प्रसाद के आने से पीडीए की लड़ाई आगे बढ़ेगी। वहीं, सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सांप्रदायिक राजनीति कर रही है। साथ ही कहा कि पीडीए के साथ भेदभाव के लिए मनुस्मृति जिम्मेदार है।

भाजपा पर हमलावर सपा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार की मुद्रा योजना नाकाम हो गई है। सरकार का दावा है कि 52 करोड़ लोगों को पैसा गया। अगर पैसा पाने वालों ने दो लोगों को भी रोजगार दिया होता तो देश में बेरोजगारी शून्य हो गई होती। उन्होंने सवाल उठाया कि मुद्रा योजना में बांटे गए 33 लाख करोड़ रुपये किसके खाते में गया? क्या लाभार्थियों में किसी ने जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराया? कितना जीएसटी आया? ऐसा तो नहीं कि सरकार ने पूरा पैसा अपने लोगों को दे दिया?

### बसपा सरकार में मंत्री रहे दद्दू प्रसाद सपा में शामिल

इससे पहले बसपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे दद्दू प्रसाद समर्थकों के साथ सपा में शामिल हो गए। सपा के प्रदेश मुख्यालय पर अखिलेश ने दद्दू प्रसाद, जगन्नाथ कुशवाहा, देव नागर, सलाउद्दीन समेत बसपा छोड़कर आने वाले सभी नेताओं का स्वागत है।

### रामजी लाल के अपमान के लिए सीएम होंगे जिम्मेदार

अखिलेश ने कहा कि अगर सपा के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन या किसी अन्य नेता के साथ कोई घटना होती है या उन्हें अपमानित किया जाता है तो मुख्यमंत्री जिम्मेदार होंगे। रामजी लाल सुमन को धमकी देने वालों का सीएम से जातीय कनेक्शन है। इसीलिए उन पर कार्रवाई नहीं हो रही। जैसे हिटलर के जमाने में ट्रूप्पर्स होते थे, वैसे ही सीएम ने अंडरग्राउंड फौज बनाई है, जो लोगों को अपमानित कर रही है।

### रेखा गुप्ता की टिप्पणी पर बोले- यही भाजपा का चाल-चरित्र

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता की तीखी टिप्पणी पर अखिलेश ने कहा कि यही भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा है। साथ ही कहा कि सपा सरकार बनने पर जनेश्वर मिश्र पार्क में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा सभी के नाम की पट्टिकाएं हटाई जाएंगी। लोकभवन में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा के बराबर दो समाजवादी महापुरुषों की प्रतिमा लगाई जाएंगी।

### सपा का मध्य विस क्षेत्र में एक साथ होली और ईद मिलन

समाजवादी पार्टी ने लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र की मासिक बैठक और होली तथा ईद मिलन समारोह सोमवार को एक साथ रॉयल होटल विधायक निवास में मनाया। मुख्य अतिथि विधायक रविदास मेहरोत्रा थे। उन्होंने सभी को होली और ईद की बधाई दी और वोटर लिस्ट में नाम बढ़ाने के लिए बूथ कमेटी एवं पोलिंग कमेटी बनाने व सभी वार्डों में कमेटी बनाने का निर्देश दिया।

### हिटलर और तानाशाह है भाजपा सरकार : लाल जी वर्मा

दिशा की बैठक में शामिल होने के लिए अंबेडकरनगर के सपा सांसद लाल जी वर्मा अयोध्या पहुंचे। सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान वक्फ संशोधन अधिनियम पर केंद्र की मोदी सरकार को हिटलर और तानाशाह बताया। उन्होंने कहा कि जिस तरह हिटलर तानाशाही करता था उसी तरह केंद्र सरकार भी तानाशाही कर रही है। वक्फ बिल को अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि यह सरकार हिटलर के रास्ते पर बढ़ने का काम कर रही है। असंवैधानिक ढंग से इस कानून को पास करने का काम किया गया। जिस तरह से 1933 में हिटलर ने अपने तमाम गुर्गों को लगाकर तानाशाही वाला बिल पास कराया था, उसी तरह से भारतीय जनता पार्टी ने गैर संवैधानिक तरीके से इस बिल को पास कराया है। वक्फ बोर्ड में पहले इलेक्टेड मेंबर होते थे उसकी जगह पर अब पूरी तरह से नॉमिनेटेड मेंबर स्थापित किए जाएंगे। किसी भी देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में इलेक्टेड मेंबर ही रहते हैं। नॉमिनेटेड व्यवस्था तो नहीं होती है। इससे अच्छा होता भाजपा बोर्ड को ही खत्म कर देती। केंद्र सरकार स्वयं सब काम करे, जिसको भाजपा नॉमिनेट करेगी, उससे भाजपा जो चाहेगी वही काम लेगा।

# ओबीसी वर्ग को आरक्षण से वंचित करना चाहती है भाजपा : कमलनाथ

## » बोले- असंवैधानिक रूप से रचा जा रहा है षड्यंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**भोपाल। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मध्यप्रदेश में ओबीसी को 27प्रतिशत आरक्षण पर कोई रोक नहीं होने के फैसले पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने में कोई न्यायिक अड़चन नहीं है।**

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को सही मानते हुए यह स्पष्ट किया। कोर्ट ने कहा कि 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर कोई रोक नहीं हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि उन्होंने उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में 2019 में प्रदेश के ओगीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून बनाया था। उसके बाद से बनी भाजपा की सरकार असंवैधानिक रूप से षडयंत्र रचकर लगातार ओबीसी को आरक्षण से वंचित कर रही है। पहले मध्य प्रदेश हाईकोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट कर दिया है कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने वाले कानून पर कोई रोक नहीं है। भारतीय जनता पार्टी को अब मध्य प्रदेश के ओबीसी समाज से माफी मांगनी चाहिए और तत्काल प्रभाव से प्रदेश में ओबीसी को 27प्रतिशत आरक्षण देना चाहिए।

# भाजपा की मानसिकता दलित विरोधी : जूली

## रामंदिर में हुए उद्घाटन पर सियासत, भाजपा नेता आहूजा का तंज, कांग्रेस नेता का तीखा पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**जयपुर। राजधानी जयपुर के शालीमार इलाके में बने राममंदिर में हुए उद्घाटन समारोह ने राजनीतिक घमासान खड़ा कर दिया है। भाजपा के पूर्व विधायक और अपने विवादित बयानों के लिए मशहूर ज्ञानदेव आहूजा ने मंदिर में कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी पर आपत्ति जताते हुए पूरे मंदिर परिसर का गंगाजल से 'शुद्धिकरण' करवाया। यही नहीं, उन्होंने अपने 30 बीघा में फैले आवास का भी शुद्धिकरण कराया।**

इस बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए भाजपा पर दलित विरोधी मानसिकता का आरोप लगाया। जूली ने लिखा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री ज्ञानदेव आहूजा का बयान दलितों के प्रति भाजपा की घृणित मानसिकता का परिचायक है। मैं एक दलित हूं और मैंने विधानसभा में अस्पृश्यता के खिलाफ आवाज उठाई है। क्या भाजपा दलितों को पूजा पाठ करते नहीं देख सकती? क्या भगवान पर अब सिर्फ भाजपा नेताओं का अधिकार रह गया है? उन्होंने मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से इस पूरे मामले पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

ज्ञानदेव आहूजा ने शुद्धिकरण के पीछे तर्क देते हुए कहा कि मंदिर में उन लोगों को प्रवेश मिला, जिनकी नीयत और निष्ठा भगवान राम में नहीं, बल्कि राजनीतिक स्वार्थ में है। उन्होंने बिल्डर हर्ष त्रेहान और अशोक सैनी पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाते हुए कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि सबको खुश रखने की चाह में तो वेश्या भी बांझ हो गई थी। इस बयान के बाद से राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है।

### उपनेता प्रतिपक्ष ने सरकारी कार्यक्रम में प्रोटोकॉल उल्लंघन का लगाया आरोप, सीएम को लिखा पत्र

राजस्थान के उपनेता प्रतिपक्ष एवं गंगापुर सिटी विधायक रामकेश मीना ने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर 2 अप्रैल 2025 को गंगापुर सिटी में आयोजित उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के सरकारी समारोह में प्रोटोकॉल के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने पत्र में कहा कि इस सरकारी कार्यक्रम में उन्हें और क्षेत्रीय सांसद हरिशचंद मीना को आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि राज्य सरकार के परिपत्र में स्पष्ट निर्देश हैं कि ऐसे सभी सरकारी कार्यक्रमों में क्षेत्र के सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर, जो कि कोई निर्वाचित जनप्रतिनिधि नहीं हैं का नाम शिलान्यास पट्टिकाओं पर अंकित करवाया गया और उन्हें मंच पर विशेष सम्मान दिया गया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक परंपराओं और राज्य सरकार के निर्देशों का खुला उल्लंघन बताया।

# टीएमसी के सांसद आपस में ही लड़ रहे : अमित मालवीय

## » बीजेपी नेता का दावा- ममता बनर्जी तक पहुंचा मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। बीजेपी आईटीसेल प्रमुख अमित मालवीय ने टीएमसी सांसदों के बीच झगड़े का आरोप लगाया है। उन्होंने एक्स पर एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए दावा किया कि टीएमसी के सासंदों की आपस में नहीं बन रही।**

उन्होंने एक्स पर लिखा, 4 अप्रैल 2024 को दो टीएमसी सांसदों के बीच भारत के चुनाव आयोग के मुख्यालय में सार्वजनिक तकरार हुई, जहां वे एक ज्ञापन जमा करने गए थे। ऐसा लगता है कि पार्टी ने अपने सांसदों को संसद कार्यालय में इकट्ठा होने और ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद चुनाव आयोग जाने का निर्देश दिया था।

हालांकि, ज्ञापन लेकर जा रहे सांसद ने संसद की बैठक को छोड़ दिया और सीधे चुनाव आयोग चले गए।मालवीय ने आगे कहा, इससे एक अन्य सांसद नाराज हो गए, जिन्होंने आयोग में आमने-सामने की मुलाकात के दौरान उनसे सवाल-जवाब किया। इसके बाद दोनों के बीच गरमागरम बहस हुई, जिसमें वे एक-दूसरे पर चिल्लाए। इतना ही नहीं, एक सांसद ने मौजूद पुलिस कर्मियों से हस्तक्षेप करने को कहा।

मामला जल्दी ही बढ़ गया और यह ममता बनर्जी तक पहुंचा, जिन्होंने कथित तौर पर दोनों सांसदों से शांत होने को कहा। लेकिन झगड़ा यहीं खत्म नहीं हुआ।

# मद्धिम पड़ रहा नवीन का पुराना जलवा !

## एक बार फिर सामने आने लगा पार्टी में असंतोष

- भाजपा सरकार के आने बाद बीजद शांत
- वक्फ को लेकर पार्टी में दिखी रार
- नवीन के फैसले से कई नेता नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। ओडिशा में भाजपा सरकार आने के बाद बीजू जनता दल काफी ढीली पड़ गई थी। पर वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने को लेकर बीजू जनता दल के बीच उठापटक तेज हो गयी है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने को लेकर बीजू जनता दल ने अपना निर्णय ऐन मौके पर बदल कर ठीक नहीं किया। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अगुवाई वाली बीजू जनता दल (बीजद) के भीतर का असंतोष एक बार फिर सामने आने लगा है।

सवाल उठ रहा है कि नवीन पटनायक ही पार्टी चला रहे हैं या कोई बाहरी ताकत फैसले ले रही है? सवाल यह भी उठ रहा है कि कहीं यह कोई बाहरी ताकत नवीन पटनायक के करीबी पांडियन या उनके परिजन तो नहीं हैं? सवाल यह भी उठ रहा है कि भाजपा और मोदी सरकार का हर तरह से विरोध करने का संकल्प ले चुके नवीन पटनायक अचानक अपना रुख क्यों बदल रहे हैं? सवाल उठ रहा है कि जब सत्तारुढ़ भाजपा के नेता बीजू जनता दल के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाये हुए हैं तो बीजद नेता क्यों नरम रुख अख्तियार किये हुए हैं? ओडिशा में दो दशक से ज्यादा राज करने वाली बीजू जनता दल की इस समय जो स्थिति है उसको देखते हुए पार्टी के नेता ही नहीं बल्कि कार्यकर्ता भी निराश हैं और अपने भविष्य को लेकर संशकित नजर आ रहे हैं। ऐसे में संभावना इस बात की लग रही है कि आने वाले समय में बीजू जनता दल में विभाजन भी हो सकता है। दरअसल पार्टी के कई शीर्ष नेता नवीन पटनायक के निर्देशों को तो स्वीकार करने के लिए तैयार हैं लेकिन वह किसी पूर्व अधिकारी के फरमानों को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। इसीलिए विवाद बढ़ता जा रहा है। जहां तक ताजा प्रकरण की बात है तो आपको बता दें कि हाल ही में संसद में पारित वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने को लेकर बीजू जनता दल के बीच उठापटक तेज हो गयी है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने को लेकर बीजू जनता दल ने अपना निर्णय ऐन मौके पर बदल कर ठीक नहीं किया। हम आपको याद दिला दें कि राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा वाले दिन पार्टी ने एक बयान जारी कर अपने सांसदों से कहा था कि वह इस विधेयक का समर्थन करने या विरोध करने का निर्णय अपने विवेक के अनुसार ले सकते हैं। इसी बात को लेकर बीजू जनता दल में हंगामा मचा हुआ है और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को लग रहा है कि इससे उनके दल की धर्मनिरपेक्ष छवि प्रभावित हुई है। इसके चलते कई नेता लगातार अपनी आपत्ति दर्ज करा रहे हैं।

### बीजद के नेता सस्मित पात्रा के एक संदेश पोस्ट से शुरू हुआ विवाद

हम आपको बता दें कि यह सारा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्यसभा में बीजद के नेता सस्मित पात्रा ने एक संदेश पोस्ट किया जिसमें कहा गया कि पार्टी के सदस्य अपनी अंतरात्मा के आधार पर वक्फ विधेयक पर मतदान करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह बयान पार्टी के पहले के निर्णय के विपरीत था, जिसमें संसदीय दल ने विधेयक का विरोध करने का संकल्प लिया था। यहां तक कि पार्टी सांसद मुजीबुल्ला खान ने तीन अप्रैल को संसद के ऊपरी सदन में इसके खिलाफ अपनी बात रखी थी। लेकिन सस्मित पात्रा ने मतदान से पहले 'एक्स' पर पोस्ट डाली कि पार्टी सांसद 'अपनी अंतरात्मा के अनुसार' मतदान कर सकते हैं और उन्हें कोई व्हिप जारी नहीं किया गया है। इससे बीजद सांसदों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई और कई वरिष्ठ नेताओं ने सवाल उठाए कि क्या सस्मित पात्रा पार्टी अध्यक्ष और संसदीय दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक के फैसले को बदल सकते हैं।

### 'बाहरी ताकत' के हाथों में है बीजद

पूर्व मंत्री भूपिंदर सिंह ने बीजद में मौजूदा स्थिति को 'काल बैशाखी' जैसा बताया, वहीं विधानसभा में पार्टी के उपनेता और पूर्व सांसद प्रसन्न आचार्य ने वक्फ विधेयक का विरोध न करने के पार्टी के कथित फैसले के पीछे किसी 'बाहरी ताकत' का हाथ होने का संदेह जताया है। हालांकि, प्रसन्न आचार्य ने पार्टी के रुख का बचाव करते हुए कहा कि विधेयक के संबंध में निर्णय में बदलाव हुआ, लेकिन बीजद अपनी धर्मनिरपेक्ष साख को कायम रखे हुए है। उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टी धर्मनिरपेक्ष है और हम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन दोनों से समान दूरी बनाए रखते हैं। क्षेत्रीय पार्टी के रूप में बीजद ओडिशा के हितों पर आधारित किसी भी मुद्दे का समर्थन या विरोध करता है।'' प्रसन्न आचार्य ने स्वीकार किया कि पार्टी के भीतर इस बात पर व्यापक चर्चा हुई है कि बीजद का रुख किसने बदला और क्या कोई ''बाहरी ताकत'' निर्णय को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा, ''पार्टी के पक्ष और विपक्ष में काम करने वाली ताकत कौन है? सभी नेता इस बात पर एकमत हैं कि ऐसे फैसले संसदीय दल की तरह पार्टी फोरम में लिए जाने चाहिए। अगर फैसले बाहरी ताकतों द्वारा लिए जाएंगे तो पार्टी को समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।'' प्रसन्न आचार्य ने कहा कि सस्मित पात्रा वह व्यक्ति नहीं हैं जिन्होंने वक्फ विधेयक पर पार्टी के रुख को बदला है। प्रसन्न आचार्य ने कहा, %%सस्मित पात्रा को विदेश दौरे से वापस आने दीजिए...एक बार जब वह इस बारे में बोलेंगे कि उन्हें पार्टी का फैसला बदलने का निर्देश किसने दिया तो सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।' वहीं विधानसभा में पूर्व में नेता प्रतिपक्ष रहे भूपेंद्र सिंह ने भी वक्फ विधेयक मुद्दे पर पार्टी के भीतर असंतोष को स्वीकार किया। भूपेंद्र सिंह ने कहा, ''पार्टी के भीतर असंतोष है और हमें इसे स्वीकार करना चाहिए। हालांकि, हमारे नेता नवीन पटनायक स्थिति को संभालने में सक्षम हैं।'' उन्होंने कहा कि नवीन पटनायक ने धार्मिक भेदभाव के बिना हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा दिया है। यही नहीं, बीजद के कार्यकर्ता भी अब पार्टी के रुख में आए बदलाव की निंदा कर रहे हैं जिससे नवीन पटनायक के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो गयी है।

### पार्टी के पास कोई विचारधारा या मार्गदर्शक सिद्धांत नहीं : बलभद्र

**दूसरी ओर, भाजपा सांसद बलभद्र माझी ने बीजद पर निशाना साधते हुए कहा, ''पार्टी के पास कोई विचारधारा या मार्गदर्शक सिद्धांत नहीं है और इसका संचालन अनुभवहीन नेतृत्व कर रहा है। यह पार्टी जल्द ही राज्य के राजनीतिक परिदृश्य से गायब हो जाएगी।**

### राष्ट्रीय प्रवक्ता सस्मित पर हो कार्रवाई

वहीं बीजू जनता दल (बीजद) के वरिष्ठ नेताओं के एक वर्ग ने राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर मतदान से पहले सांसदों के बीच ''भ्रम पैदा करने'' के लिए राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय प्रवक्ता सस्मित पात्रा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पार्टी के कई सांसदों का कहना है कि सस्मित पात्रा ने जो भ्रम की स्थिति पैदा की वह गलत थी। राज्यसभा सदस्य देबाशीष सामंतराय ने कहा, ''मैंने भ्रम के कारण मतदान से परहेज किया... पार्टी ने पहले ही विधेयक का विरोध करने का निर्णय ले लिया था और अंतिम समय में हमें अपनी अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करने के लिए कहा गया।'' हालांकि, उन्होंने इसके लिए सस्मित पात्रा को जिम्मेदार नहीं ठहराया।

देबाशीष सामंतराय ने नवीन पटनायक के एक करीबी सहयोगी की ओर इशारा करते हुए ''सस्मित पात्रा यहां खलनायक नहीं हैं। वह निर्णय नहीं लेते, वह केवल निर्देशों का पालन करते हैं। असली शक्ति कहीं और है, 'मुख्य सलाहकार' के पास।'' उन्होंने 'मुख्य सलाहकार' का नाम बताने से इंकार कर दिया और कहा, ''हर कोई जानता है कि वह कौन है''। यही नहीं, बीजद सांसद देबाशीष सामंतराय ने 'मुख्य सलाहकार' और भारतीय जनता पार्टी के बीच 'बड़ी डील' का भी संकेत दिया। सामंतराय ने कहा, ''यह एक बड़ी डील है। मुख्य सलाहकार ने भाजपा के साथ किसी तरह का करार किया है। हाल ही में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) लेने वाला एक नौकरशाह इस डील का हिस्सा हो सकता है। आप सभी जानते हैं कि हाल ही में किसने वीआरएस लिया है। मैं इसे आपकी समझ पर छोड़ता हूं।''

### कई जगहों पर उठ रहे मतभेद

मुस्लिम बहुल केंद्रपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के मौजूदा विधायक गणेश्वर बेहरा ने भी पात्रा की आलोचना करते हुए सवाल किया, ''उनको पार्टी अध्यक्ष के फैसले को बदलने का अधिकार किसने दिया?'' गणेश्वर बेहरा ने कहा, ''उन्होंने गलती की है जिसके लिए उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। संसदीय दल के निर्णय को बदलने का अधिकार केवल बीजद अध्यक्ष को है, किसी और को नहीं।'' उन्होंने कहा कि यह घोर अनुशासनहीनता है। वहीं, बीजद विधायक और पूर्व मंत्री बद्री नारायण पात्रा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''यह स्थिति जानबूझ कर की गई शरारत का नतीजा है। सस्मित पात्रा ने बीजद अध्यक्ष के फैसले की अवहेलना करने और अपने स्वयं के मंच पर अपना रुख बदलने की घोषणा करने का साहस कैसे किया? उन्होंने पूरी पार्टी को असमंजस में डाल दिया है और इस पर कार्रवाई की जरूरत है। हम आपको यह भी बता दें कि बीजू जनता दल के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने इस मुद्दे पर नवीन पटनायक से मुलाकात के लिए समय भी मांगा है। वहीं, विपक्षी कांग्रेस ने बीजद की कड़ी आलोचना की और उस पर विधेयक के पक्ष में मतदान करके राज्य के मुस्लिम समुदाय से किए गए वादे के खिलाफ जाने का आरोप लगाया। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा, ''बीजद संसदीय दल ने विधेयक का विरोध करने का फैसला किया था। हमने यह भी सुना था कि पार्टी इस मुद्दे पर राज्यसभा में मतदान से दूर रहेगी लेकिन अचानक बीजद ने अपना रुख बदल दिया और विधेयक के समर्थन में मतदान किया। बीजद के फैसले से नवीन पटनायक और पार्टी की छवि खराब हुई है।''हम आपको बता दें कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की ओडिशा कैडर की अधिकारी सुजाता आर कार्तिकेयन ने हाल में वीआरएस लिया है। वह बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक के पूर्व करीबी सहयोगी वीके पांडियन की पत्नी हैं। इसके अलावा, दो वरिष्ठ बीजद नेताओं- प्रफुल्ल सामल और प्रताप जेना ने भी नवीन पटनायक को पत्र लिखकर सस्मित पात्रा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पात्रा ने ''वक्फ विधेयक के समर्थन में मतदान करके पार्टी के रुख के खिलाफ जाकर'' काम किया है। सामल और जेना दोनों ने पटनायक को लिखे अपने पत्रों में कहा कि बीजद मुसलमानों सहित अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए संघर्ष जारी रखे हुए है। सामल ने कहा, ''हालांकि, अल्पसंख्यक समुदायों का विश्वास जीतने के बजाय पात्रा की इस तरह की कार्रवाई से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है। इसलिए, मैं आपसे उचित कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं।'' वरिष्ठ बीजद नेता और पूर्व मंत्री प्रताप जेना ने पात्रा की कार्रवाई पर नाराजगी व्यक्त की और इस कदम को 'पार्टी विरोधी' और हतप्रभ करने वाला' करार दिया।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# जंगल की आग को रोकने लिए उठाने होंगे ठोस कदम!

*अमेरिका से लेकर भारत तक जंगलों में आग लगने की खबरें आना आम बात है। ऐसे भी जंगल की आग एक बार लग जाए तो फैलते देर नहीं लगती। खासतौर से गर्मियों की शुरुआत में दावानल की घटनाएं ज्यादा होती हैं। अपनी प्राकृतिक संपदा के लिए भारत के कई जंगल गर्मी की शुरुआत के साथ पिछले दिनों अलग-अलग स्थानों पर कई बार सुलग चुके हैं। कई क्षेत्रों में तो आग की लपटें दूर तक देखी गईं। जंगल की आग का सबसे बड़ा खतरा यह है कि इससे वन्यजीवों के साथ ही वन औषधि को भारी नुकसान पहुंचने का अंदेशा रहता है। इसलिए समय रहते इस पर काबू पाना जरूरी हो जाता है। चिंता की बात यह है कि तमाम दावों के बावजूद दावानल पर नियंत्रण के वन विभाग के प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। यही कारण है कि सज्जनगढ़, जयसमंद, केवड़ा की नाल समेत आधा दर्जन पहाड़ियां रह-रह कर दावानल की चपेट में आ रहीं हैं। यह खतरा आगे भी बना हुआ है। उदयपुर में तो पिछले दिनों लगी आग से आबादी पर भी संकट मंडराने लगा था। कुछ घरों को एहतियातन खाली कराना पड़ा था।*

*पिछले तीन महीनों में अकेले उदयपुर मंडल में 56, उदयपुर उत्तर में 93 और वाइल्ड लाइफ में 20 स्थानों पर दावानल की घटनाएं सामने आईं। दावानल की रोकथाम यों भी काफी मुश्किल भरा काम होता है। लेकिन भविष्य के खतरों को कम करने की दिशा में जंगलात महकमे की तैयारियों की तह में जाएं तो सारी कवायद कागजों में नजर आती है। पिछले कुछ सालों में जितनी बातें अधिकारियों ने दावानल को लेकर की, उससे काफी कम काम जमीनी स्तर पर हुआ है। मेवाड़ के समृद्ध जंगलों में अभी तक फायर लाइन का काम भी पूरा नहीं हो सका है। जहां फायर लाइन हैं, वे भी काम नहीं कर रही हैं। सेटेलाइट इमेज से आग की लोकेशन मिलने का दावा करने वाले वन विभाग के पास संसाधन के नाम पत्ते और झाड़ियां ही हैं। विभाग के कर्मचारी इन्हीं के सहारे मगरियों पर आग बुझाते दिख जाते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में रास्ता नहीं होने से दमकलकर्मी भी वहां नहीं पहुंच पाते। नतीजतन जबतक आग पर काबू पाया जाता है, तबतक काफी नुकसान हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि वन विभाग कागजी दावों से बाहर निकल दावानल पर नियंत्रण के लिए प्रभावी इंतजाम करे। जिन क्षेत्रों में फायर लाइन नहीं बिछी है, वहां इस पर शीघ्र कार्य होना चाहिए। सरकार को भी चाहिए कि पिछले वर्षों में जंगल की आग को नियंत्रित करने के लिए हुई कवायद के विषय में वन विभाग से जानकारी ले। साथ ही इस पर गंभीरता दिखाते हुए प्रभावी कदम उठाए। जंगल में आए दिन लगने वाली आग की घटनाएं मेवाड़ में ही होती हों ऐसा नहीं है। जहां भी आग बुझाने के उपाय नाकाफी हों, वहां ऐसे ही हालात सामने आते हैं। जंगलों को आग की घटनाओं से महफूज रखना होगा। जंगल की आग को बचाने के लिए सिर्फ कागजी रूख से काम नहीं चलेगा इसके लिए कुछ ठोस कार्य करने की आवश्यकता है।*

**चिंता की बात यह है कि तमाम दावों के बावजूद दावानल पर नियंत्रण के वन विभाग के प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। यही कारण है कि सज्जनगढ़, जयसमंद, केवड़ा की नाल समेत आधा दर्जन पहाड़ियां रह-रह कर दावानल की चपेट में आ रहीं हैं। यह खतरा आगे भी बना हुआ है। उदयपुर में तो पिछले दिनों लगी आग से आबादी पर भी संकट मंडराने लगा था। कुछ घरों को एहतियातन खाली कराना पड़ा था।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# अब भी संपूर्ण स्वास्थ्य की उम्मीद में दुनिया

डॉ. ए.के. अरुण

आम लोगों का स्वास्थ्य कभी भी राजनीति का मुख्य एजेंडा रहा ही नहीं, जबकि आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में स्वास्थ्य एक बेहद जरूरी विषय के रूप में खड़ा हो गया है। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 का थीम या लक्ष्य की यदि हम बात करें तो इस वर्ष यह मिलेनियम स्वास्थ्य लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से 'आशापूर्ण भविष्य के लिए स्वस्थ शुरुआत' पर ज़ोर दे रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लक्ष्य की घोषणा करते हुए कहा है कि प्रत्येक स्वास्थ्य संगठन और समुदाय यह सुनिश्चित करें कि मां और नवजात शिशु का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे तथा इनकी असमय मृत्यु को रोका जा सके। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष 2024 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपना लक्ष्य 'मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार' रखा था। यह अलग बात है कि दुनिया भर की सरकारों ने स्वास्थ्य के नागरिक अधिकारों पर स्पष्ट रूप से कुछ भी ठोस नहीं किया। हां, भारत में एकमात्र राज्य राजस्थान की पूर्व कांग्रेस की सरकार ने नागरिकों के स्वास्थ्य को उनके मौलिक अधिकार के रूप में क़ानून बनाकर लागू कर दिया।

'स्वस्थ शुरुआत आशापूर्ण भविष्य' के विभिन्न पहलुओं पर यदि ध्यान दें तो निश्चित ही नवजात शिशु एवं माताओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। इसके लिए प्रत्येक प्रखंड एवं गांवों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचों को और मज़बूत करना होगा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों जैसे आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका एवं प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सक्रिय बनाना होगा। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को और जवाबदेह बनाना होगा। सभी सरकारों को अपना स्वास्थ्य बजट सम्मानजनक तरीके से जीडीपी के अनुसार बढ़ाना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि समुचित पोषण और दवा के अभाव में कोई भी शिशु या गर्भवती मां अथवा व्यक्ति की असमय मृत्यु न हो। स्वास्थ्य और उपचार की सर्वसुलभता सुनिश्चित करनी होगी। सरकार और समुदाय को मिलकर काम करना होगा। आज़ादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी देश में जनस्वास्थ्य की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है।

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं अभियानों के बाद भी हम अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सके हैं। महज़ आंकड़ों की बाजीगीरी और झूठे प्रचार से जन-स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। भारत सरकार ने एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति बनायी थी जिसके अंतर्गत विभिन्न रोगों से बचाव एवं उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन लंबे समय से किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन' का संचालन भी किया जा रहा है, इन सबके बावजूद जनस्वास्थ्य को हम सही दिशा नहीं दे पा रहे हैं। इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि महिलाओं में प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं तथा नवजात शिशुओं और बच्चों की रुग्णता व मृत्यु दर को कम करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पायी है। वर्ष 2025 के स्वास्थ्य लक्ष्य की घोषणा करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की दृष्टि महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर ही गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन चाहता है कि दुनिया भर में नवजात शिशुओं और माताओं का स्वास्थ्य बेहतर हो ताकि भविष्य की आबादी में स्वस्थ लोगों की अच्छी संख्या हो। हम जानते हैं कि दुनिया भर में महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति समाज और सरकारें सदैव दोयम दर्जे की दृष्टि रखते हैं। हालांकि, पश्चिमी देशों में महिलाओं की स्थिति काफी बेहतर है लेकिन भारत एवं एशियाई देशों में महिलाओं को स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए पुरुषों की अपेक्षा ज़्यादा जद्दोजहद करनी पड़ती है। आजादी के बाद से अब तक भारत में दो बार राष्ट्रीय परिवार

स्वास्थ्य सर्वेक्षण हुए। इसमें केंद्र सरकार के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या अध्ययन संस्थान ने भी हिस्सा लिया। सार्वजनिक रूप से अप्रकाशित इन सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार प्रत्येक एक लाख जीवित शिशु के जन्म पर लगभग 540 माताओं की मृत्यु हो जाती है। भारत में औरतों की नाज़ुक सेहत की वजह जानने के लिए उनकी ज़िंदगी पर जन्म के बाद से ही नजर दौड़ानी होगी।

जानी मानी फ्रेंच लेखिका शिमोन द बौवार कहती हैं कि 'औरत की सेहत इसलिए ख़राब है क्योंकि वह स्त्री है।' हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि आधुनिकीकरण एवं अन्य कई कारणों से भी कई पुराने रोग पुन: नए रूप में उभर कर सामने आ रहे हैं। अनेक प्रयासों के बावजूद हम वर्षों पुराने मच्छर जनित रोग मलेरिया, डेंगू आदि से उबर नहीं पाए हैं। तथाकथित आधुनिक जीवनशैली के कई रोग जैसे डायबिटीज़ हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, एड्स आदि बढ़ते ही जा रहे हैं।

# मानवीय रचनात्मकता को एआई टूल्स की चुनौती

दिनेश सी. शर्मा

डिजिटल दुनिया में एक नया चलन जोर पकड़ रहा है। उपयोगकर्ताओं ने एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर एआई तकनीक की मदद से प्रसिद्ध जापानी एनिमेटर हयाओ मियाज़ाकी की शैली में निर्मित अपनी, परिजनों और अन्य तस्वीरों की बाढ़-सी ला रखी है। मियाजाकी सुप्रसिद्ध घिबली स्टूडियो के संस्थापक हैं, जिसने पिछले चार दशकों में जाने-माने एनिमेशन चरित्रों को पैदा किया है। हल्के, पेस्टल रंगों में पात्रों को चित्रित करने की विशिष्ट शैली को घिबली कला के रूप में जाना जाता है। हालांकि, उपयोगकर्ताओं द्वारा ऑनलाइन पोस्ट की जा रही कला मूल घिबली न होकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टूल्स का उत्पाद है, जो कि परीक्षण के आधार पर मुफ़्त में उपलब्ध है। राजनेता, फैशन और खेल जगत के स्थापित चेहरे और मशहूर हस्तियों सहित लाखों उपयोगकर्ता इस शैली में चित्र बनाने के लिए एआई टूल्स का उपयोग कर रहे हैं।

हालांकि जेनेरेटिव एआई टूल- जो इस सामग्री को बनाने में उपयोग किए जा रहे हैं - पिछले कुछ सालों से वजूद में हैं, लेकिन वर्तमान चलन की चिंगारी को ओपन एआई द्वारा विकसित एक नए टूल्स ने भड़काया है। चैट जीपीटी हो या बृहद भाषा मॉडल (लार्ज लैंग्वेज मॉडल अर्थात एलएलएम), ये टूल्स चंद शब्दों वाली निर्देशावली (टेक्स्ट) के आधार पर विस्तृत लेख, पुस्तक अध्याय, सोशल मीडिया पोस्ट इत्यादि वांछित सामग्री उत्पन्न कर देते हैं। नवीनतम मल्टीमॉडल जेनेरेटिव एआईटूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट, तस्वीर, वीडियो, आवाज और संगीत के नमूने का उपयोग करते हुए वांछित आउटपुट को चित्र और वीडियो के रूप में निर्मित करके दे सकते हैं। मिडजर्नी, स्टेबल डिफ्यूजन और डीएएलएल-ई जैसे टूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट से सचित्र आउटपुट पैदा कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई डीएएलएल-ईको एमएफ हुसैन या जैमिनी रॉय की शैली में दिल्ली की सड़क की पेंटिंग बनाने का निर्देश दे, तो वह कुछ सेकंड के भीतर बनाकर पेश कर देगा।

'लेंसा' जैसे इमेज-टू-इमेज टूल भी हैं जो इनपुट छवियों के बदले छवि या उसका सुधरा संस्करण प्रदान कर सकते हैं। घिबली शैली में उत्पन्न छवियों ने लोगों की कल्पना को इसलिए भी अपनी ओर खींचा है क्योंकि वे बहुत मासूम और मज़ेदार दिखती हैं। हालांकि, इस मासूमियत के तले टेक्स्ट और इमेज-जेनेरेटिव एआई सिस्टम से संबंधित गंभीर नैतिकता के मुद्दे छिपे हुए हैं। कोई भी एआई सिस्टम विभिन्न स्रोतों से एकत्र किए गए वास्तविक डाटा पर काम करता है। एआई टूल्स को प्रशिक्षित करने में भारी मात्रा में डाटा (टेक्स्ट, इमेज, संगीत इत्यादि) की जरूरत पड़ती है। यदि किसी एलएलएम को अमिताभ घोष या रस्किन बॉन्ड की शैली में एक छोटी-सी कहानी बनाने के लिए कहा जाए तो इसे वह इन लेखकों की तमाम रचना का भारी-भरकम डाटा खंगालने के बाद उत्पन्न करता है। इस सामग्री का अधिकांश हिस्सा कॉपीराइट वाला होता है, और एआई कंपनियों ने अपने सिस्टम को 'प्रशिक्षित' करने के लिए लेखकों से इसके लिए समुचित अधिकार खरीदे नहीं होते। यही बात घिबली स्टूडियो सरीखी या हुसैन जैसे उस्तादों की पेंटिंग्स बनाने पर लागू है।

एआई कंपनियां दावा करती हैं कि वे केवल सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध डाटा का ही उपयोग कर रही हैं, लेकिन उनके इस दावे को सृजनकर्ता पचा नहीं पा रहे। कॉपीराइट कानूनों में अंतर्निहित 'उचित इस्तेमाल' प्रावधान का दुरुपयोग यह तकनीक बनाने वाली कंपनियां कर रही हैं। इस तरह के उल्लंघन से निपटने के लिए मौजूदा कॉपीराइट ढांचे अपर्याप्त हैं। उत्तरी अमेरिका और यूरोप की अदालतों में तकनीक बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ मामले पहले से चल रहे हैं। दरअसल, जेनेरेटिव एआई रचनात्मकता के मूल विचार पर हमला कर रहा है। पेंटिंग हो या कोई किताब, कार्टून चरित्र या फिर संगीत का मुखड़ा, यह सब किसी कलाकार की रचनात्मक अभिव्यक्ति के स्वरूप हैं। यह सभी सांस्कृतिक उत्पाद हैं, जो व्यक्तिगत अनुभव और संदर्भ से उत्पन्न हुए होते हैं। उदाहरण के लिए, घिबली स्टूडियो का काम जापानी समाज और संस्कृति का एक नमूना है, यह ठीक वैसा है जैसा कि वॉल्ट डिज़्नी स्टूडियो की रचनाएं अमेरिकी संस्कृति को दर्शाती हैं। ऐसे रचनात्मक कार्यों को किसी मशीन या एआई सिस्टम को बनाने के लिए सौंप देना मानवीय रचनात्मकता और जुनून के मूल विचार के विरुद्ध है। एक कलाकार को एक पेंटिंग पूरी करने में महीनों लग सकते हैं या एक लेखक को एक उपन्यास अथवा गैर-काल्पनिक किताब लिखने में कई साल लग सकते हैं।

कार्टून या एनिमेशन स्ट्रिप बनाने में सैकड़ों घंटों की मेहनत खपती है। इसलिए, श्रेय और पैसा सृजनकारों का नैसर्गिक हक है। एआई कंपनियां वह करने में लगी हैं, जिसे आलोचक डाटा-चोरी कहते हैं और यह करके वे सृजनकर्ता के श्रेय और पैसा, दोनों पर डाका डाल रही हैं। प्रत्येक नए जेनेरेटिव मॉडल बनने के साथ- जो सृजनकर्ताओं के अनगिनत काम और मेहनत पर आधारित होता है- एआई कंपनियों की दौलत में खरबों डॉलर का इजाफा हो जाता है। वे इन मॉडलों को प्रति संस्करण हज़ारों डॉलर मूल्य में दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं को बेच रही हैं, जबकि मूल सृजनकर्ता के पल्ले कुछ नहीं पड़ता। इमेज जेनेरेटर खुद कलाकार नहीं हैं, लेकिन कलाकारों के लिए एक चुनौती हैं। एआई टूल के मुफ़्त संस्करणों के उपयोग से निर्मित छवियों के साथ डिजिटल दुनिया में मची रेलमपेल, जैसा कि घिबली कला के मामले में हुआ पड़ा है, प्रौद्योगिकी कंपनियां ऐसी मशीन-जेनेरेटेड कला को सामान्य बनाना चाहती हैं।

# देश के यह हैं लोकप्रिय पर्यटन स्थल

## विदेशी पर्यटक भी आते हैं घूमने

दुनियाभर में घूमने-फिरने में दिलचस्पी हमेशा से ही चरम पर रही है लेकिन कुछ लोकप्रिय पर्यटन स्थल हर किसी के पसंदीदा है। इन जगहों पर कभी पर्यटकों की कमी नहीं आती। सालों से इन जगहों पर पर्यटन को बढ़ावा ही मिला है। इस लिस्ट में विदेशी पर्यटक स्थल भी हैं और देश के स्थल भी। जो लोग शानदार प्राकृतिक नजारों की चाह रखते हैं, उनके लिए भारत प्राकृतिक पर्यटन स्थलों से समृद्ध देश है। यहां समुद्री तटों के विकल्प हैं तो वहीं ऊंची बर्फीली पहाड़ियां भी हैं। हरे-भरे मैदानी क्षेत्र हैं तो सफेद रेतीले मैदान भी हैं। जंगल सफारी से लेकर ऊंट सफारी और क्रूज से लेकर फैरी तक के सफर का आनंद लिया जा सकता है। साल 2024 में देश के पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला। इस साल राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में करोड़ों सैलानी पहुंचे। वहीं देश के कई पर्यटन स्थल साल 2025 में लोकप्रिय हो सकते हैं। इनका चलन नए साल में भी बना रहेगा।

### जैसलमेर

जैसलमेर थार रेगिस्तान में बसा है, जो राजस्थानी संस्कृति के साथ ही हमेशा बदलते टीलों और परंपराओं का अनुभव कराने के लिए आदर्श स्थान है। प्राचीन बलुआ पत्थर की वास्तुकला, कभी न खत्म होने वाला रेगिस्तान और तेज धूप ने जैसलमेर को गोल्डन सिटी का खिताब दिलाया। इस खूबसूरत शहर के सफर के लिए नवंबर से फरवरी के बीच जाना बेहतर समय होगा। यहां जैसलमेर किला, वुड फॉसिल पार्क, कुलधरा गांव, कोठारी की पटवों की हवेली, गड़ीसर झील, व्यास छतरी, जैसलमेर युद्ध संग्रहालय, नाथमल जी की हवेली और थार रेगिस्तान को घूमने जा सकते हैं।

### गोवा

शानदार समुद्र तट, समृद्ध पुर्तगाली संस्कृति और जीवंत नाइटलाइफ के कारण गोवा साल भर घूमने लायक जगह है। साल 2025 में भी गोवा भारत में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनी रह सकती है। इस दौरान आप पणजी, कैंडोलिम, कलंगुट, अरम्बोल, अगोंडा, बागा, वागाटोर, कोल्वा, पालोलेम और वर्का की खोज करें।

### गिर नेशनल पार्क, गुजरात

सासन गिर राष्ट्रीय वन के नाम से भी प्रसिद्ध ये पार्क भारत में मैजेस्टिक एशियाई शेरों को देखने के लिए सबसे अच्छी जगह है।ये वन्यजीव अभयारण्य जूनागढ़, अमरेली और गिर सोमनाथ जिलों में फैला हुआ है, जो काठियावाड़-गिर शुष्क वन का हिस्सा है। इस स्थान को घूमने के लिए नवंबर से मार्च तक बेहतर समय है। यहां जंगल सफ़ारी के ज़रिए 674 शेरों, 300 तेंदुओं और 425 पक्षियों की प्रजातियों में से किसी एक को देख सकते हैं।

## हंसना मना है

फेंकू- पप्पू, जल्दी से टीवी चालू कर, 30 फीट का सांप दिखा रहे हैं, पप्पू- अरे फेंकू, नहीं देख सकते हम, फेंकू- क्यों? पप्पू- क्योंकि हमारा टीवी 21 इंच का है ना।

लड़की- परसों मैं तुम्हें राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यूं? लड़का- अगर मैं तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊं तो क्या बंधवायेगी, बात करती है।

बेटा- मुझे शादी नहीं करनी! मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता- शादी कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

बंता- तेरे घर से हमेशा हसने कि आवाज आती है, इतनी खुशी का राज क्या है? संता- मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाये तो वो हंसती है, नहीं लगे तो मैं हंसता हूं!

मैंने सुना है आप बहुत कमजोर हो गए हो, फिट रहने के लिए रोज 1 चम्मच खाया करो अंबुजा सिमेंट, क्योंकि इस सिमेंट में जान है!

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे, शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते.. पति- क्या तुमने कभी किसी को.. चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है।

## कहानी | सियार और जादुई ढोल

एक समय की बात है, जब एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। उस युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी चली, जिस कारण युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुढ़क कर जंगल में चला जाता है और एक पेड़ के पास जाकर अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी। उसी जंगल में एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर गाजर खा रहे खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता है। जब वह खरगोश पर झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। किसी तरह से सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह ढोल की आवाज सुनकर घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला। फिर वह ढोल के पास जाता है और उस पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है। फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुढ़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**वृषभ**

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। काम में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

**मिथुन**

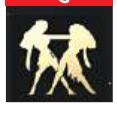

दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

**कर्क**

भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। काम करने का मन बनेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा

**सिंह**

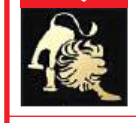

संतान की चिंता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

**कन्या**

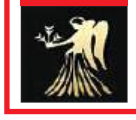

यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

**तुला**

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

**वृश्चिक**

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

**धनु**

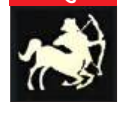

नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

**मकर**

किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

**कुम्भ**

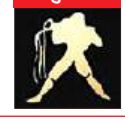

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

**मीन**

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

# मैं अपने किरदारों के लिए बदलाव करने को तैयार रहती हूं : भूमि

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज द रॉयल्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस सीरीज में अपने रोल से लेकर सीरीज के बारे में भूमि ने कई बातों से पर्दा उठाया है।

द रॉयल्स में भूमि एक ग्लैमरस और ताकतवर उद्यमी का किरदार निभा रही हैं। यह उनकी पहले की फिल्मों से बिल्कुल अलग है। भूमि की सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया, जिसे देखने के बाद फैंस की उम्मीदें इस सीरीज से और अधिक बढ़ गई हैं। हिंदी सिनेमा में 10 साल पूरे करने के बाद भूमि अब ओटीटी पर कदम रख रही हैं। द रॉयल्स में भूमि के अलावा ईशान खट्टर भी नजर आएंगे। इस सीरीज में उनका किरदार नया और बिल्कुल अलग है। ओटीटी प्ले की एक खबर के मुताबिक भूमि ने कहा, वह इस सीरीज को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन अपनी उम्मीदें कम रखती हैं। उन्हें अब तक दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और लोग उन्हें ईशान के साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। भूमि और ईशान की जोड़ी को फैंस पसंद कर रहे हैं। भूमि का कहना है कि दर्शकों का प्यार देखकर खुशी होती है। अपने 10 साल के करियर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि दम लगा के हईशा से लेकर द रॉयल्स तक का सफर उनके लिए खास रहा है। भूमि ने आगे कहा कि वह अपने किरदारों के लिए बदलाव करने को तैयार रहती हैं। द रॉयल्स के साथ भूमि ओटीटी पर कदम जमाने वाली हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

# शाहरुख की 'किंग' में हुई दीपिका की एंट्री सुहाना खान की मां का निभाएंगी किरदार

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। ओम शांति ओम से शुरू हुआ यह सफर चेन्नई एक्सप्रेस, पठान और जवान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों तक पहुंचा। अब यह जोड़ी सिद्धार्थ आनंद की नई एक्शन थ्रिलर फिल्म किंग में साथ नजर आएगी।

खास बात यह है कि दीपिका इस फिल्म में सुहाना खान की मां का किरदार निभाएंगी। पीपिंगमून की रिपोर्ट के मुताबिक दीपिका का किरदार फिल्म में छोटा लेकिन बेहद अहम होगा। शाहरुख और सिद्धार्थ दोनों ही दीपिका को इस खास रोल के लिए चाहते थे। भले ही यह मुख्य किरदार न हो, लेकिन दीपिका ने इसे खुशी-खुशी स्वीकार किया है।

किंग शाहरुख और दीपिका की छठी फिल्म होगी। पठान व जवान के बाद यह लगातार तीसरी फिल्म होगी जिसमें दोनों सितारे साथ नजर आएंगे। हर फिल्म में फैंस को उनकी केमिस्ट्री काफी पसंद आती है। किंग में यह जोड़ी एक बार फिर से लोगों पर अपना जादू चलाने की पूरी कोशिश करेगी। खबरें हैं कि अगले साल ये दोनों पठान 2 में भी साथ आएंगे।

फिल्म किंग की पूरी कहानी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह एक बदले की भावना से भरी एक्शन थ्रिलर हो सकती है। यह 2000 की फिल्म बिच्छू और फ्रेंच फिल्म लियोन: द प्रोफेशनल से प्रेरित हो सकती है। इसमें शाहरुख एक खतरनाक हत्यारे की भूमिका में नजर आ सकते हैं। सुहाना की यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह द आर्चीज में नजर आ चुकी हैं। पहले इस फिल्म में शाहरुख का रोल छोटा था, लेकिन सिद्धार्थ आनंद के आने के बाद यह एक पूरी तरह शाहरुख की फिल्म बन गई। लोगों को इसमें एक्शन, ड्रामा और रोमांस का फुल डोज देखने को मिलेगा।

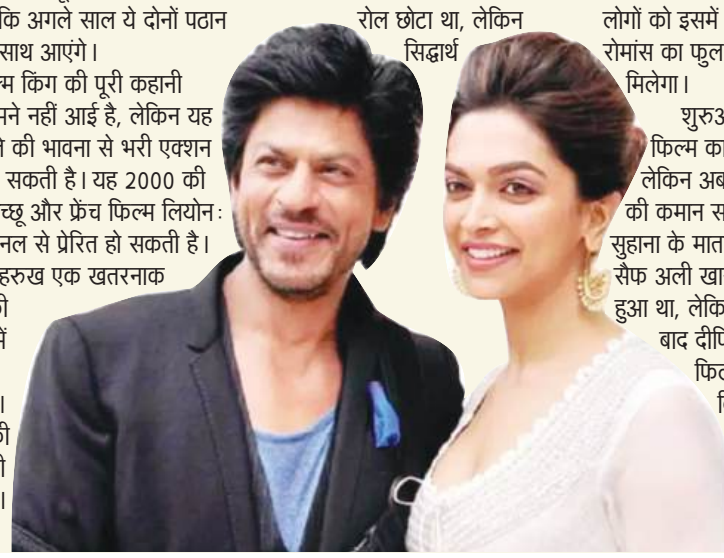

शुरुआत में सुजॉय घोष इस फिल्म का निर्देशन कर रहे थे, लेकिन अब सिद्धार्थ आनंद ने किंग की कमान संभाल ली है। पहले सुहाना के माता-पिता के रोल के लिए सैफ अली खान और तब्बू पर विचार हुआ था, लेकिन कहानी बदलने के बाद दीपिका को चुना गया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन विलेन की भूमिका में होंगे, जबकि मुंज्या फेम अभय वर्मा भी अहम किरदार निभाएंगे।

## राशा थडानी के साथ दोस्ती पर बोलीं तमन्ना

# 'मैं मतलब के लिए दोस्त नहीं बनाती'

बॉलीवुड में इन दिनों एक नई फ्रेंडशिप के काफी चर्चे हो रहे हैं। हालांकि, कई लोगों को ये दोस्ती थोड़ी अजीब भी लग रही है। ये नई जोड़ी है अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की। इन दोनों ही एक्ट्रेस की दोस्ती पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बनी हुई है।

हालांकि, दोनों ही अभिनेत्रियों के बीच उम्र का अच्छा-खासा फासला है। इसी को लेकर अक्सर ये सवाल भी उठता है कि आखिर ये दोनों दोस्त कैसे बने? अब इसी को लेकर तमन्ना ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और बताया है कि कैसे वो और राशा थडानी दोस्त बन गए। परमिट रूम पॉडकास्ट में बात करते हुए तमन्ना ने राशा के साथ अपनी दोस्ती की शुरूआत कहां से हुई और कब दोनों पहली बार मिले, इसको लेकर बात की।

तमन्ना ने कहा, मैं और राशा एक पार्टी में पहली बार मिले। इसके बाद हम दोनों साथ में डांस करने लगे। उसके बाद हम एक-दूसरे के संपर्क में आ गए। हम दोनों के बीच उम्र का पर्याप्त फासला है, लेकिन ये मायने नहीं रखता। क्योंकि यह लोगों के साथ उनके व्यक्तित्व के हिसाब से संबंध बनाने के बारे में है। जिससे आपकी बॉन्डिंग अच्छी बन जाती है, वो आपका दोस्त बन जाता है। तमन्ना ने आगे कहा, मैं उन लोगों के साथ दोस्ती करती हूं जिनके साथ मैं मजे कर सकूं, जिनका साथ मुझे अच्छा लगे और वो भी मेरे साथ ऐसा ही महसूस कर सकें। मैं किसी भी तरह के लाभ या मतलब के लिए किसी से दोस्ती नहीं करती हूं। यही होना भी चाहिए। पिछले कुछ दिनों में तमन्ना और राशा थडानी को अक्सर एक साथ देखा गया है। फिर वो चाहे राशा के जन्मदिन की पार्टी हो या फिर रवीना टंडन के घर पर हुई होली पार्टी। दोनों ने एकसाथ काफी मस्ती की और इसके वीडियो-फोटो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए थे। इसके अलावा राशा की पहली फिल्म 'आजाद' के वक्त भी तमन्ना ने फिल्म के गाने 'उई अम्मा' पर राशा के साथ कई रील बनाई थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो राशा थडानी ने इसी साल आई फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में कदम रखा है।

अजब-गजब | इन देशों में न तो अपनी सेना है और न ही पुलिस

# दुनिया के सबसे सुरक्षित और शांतिपूर्ण देशों में गिने जाते हैं ये देश, शांति की नीति पर चलकर बन गए हैं मिसाल

दुनिया भर में जब सुरक्षा की बात होती है, तो पुलिस और सेना को सबसे जरूरी माना जाता है। चाहे आतंकवाद से लड़ना हो या अपराध रोकना, हर देश सुरक्षा बलों पर निर्भर करता है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि कुछ देश ऐसे भी हैं जहां न तो सेना है और न ही पुलिस, फिर भी ये देश दुनिया के सबसे सुरक्षित और शांतिपूर्ण देशों में गिने जाते हैं। ये देश अपनी शांति बनाए रखने के लिए न कोई हथियार रखते हैं और न ही भारी-भरकम सैन्य बजट खर्च करते हैं। बल्कि ये देश अपनी कूटनीतिक समझ, पड़ोसी देशों से दोस्ती और शांति की नीति पर चलकर मिसाल बन गए हैं। तो आइए जानते हैं ऐसे कुछ अनोखे देशों के बारे में।

**आइसलैंड-** आइसलैंड एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत देश है जो उत्तर अटलांटिक महासागर में स्थित है। यहां की सबसे खास बात यह है कि इस देश की कोई सेना नहीं है। आइसलैंड नाटो का सदस्य है और जरूरत पड़ने पर अमेरिका इसके बचाव के लिए तैयार रहता है। यहां की कानून व्यवस्था इतनी मजबूत और नागरिक इतने अनुशासित हैं कि अपराध की घटनाएं बहुत ही कम होती हैं। महिलाएं रात को अकेले घूमने से नहीं डरतीं और बच्चों को स्कूल अकेले भेजना आम बात है। वर्ल्ड पीस इंडेक्स में आइसलैंड लगातार नंबर 1 स्थान पर रहा है।

**स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के बीच बसा** लिकटेंस्टीन एक छोटा-सा यूरोपीय देश है। इसने साल 1868 में ही अपनी सेना को खत्म कर दिया था क्योंकि इसकी लागत बहुत ज्यादा थी। खास बात ये है कि लिकटेंस्टीन ने कभी किसी युद्ध में भाग नहीं लिया और शांति की राह पर चलता रहा। अगर किसी आपात स्थिति की जरूरत हो, तो स्विट्जरलैंड इसकी मदद करता है। इस देश में सुरक्षा के नाम पर केवल कुछ गार्ड्स हैं।

**वेटिकन सिटी-** वेटिकन सिटी, जो दुनिया का सबसे छोटा देश है और ईसाई धर्म का केंद्र भी है। इस देश की भी कोई सेना नहीं है। यहां की सुरक्षा स्विस गार्ड के हाथ में होती है, जो विशेष रूप से पोप की रक्षा के लिए नियुक्त किए जाते हैं। इसके अलावा इटली की पुलिस और सेना वेटिकन सिटी को आपातकालीन सेवाएं देती हैं। इस देश में अपराध की घटनाएं ना के बराबर होती हैं और धार्मिक वातावरण इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

**मोनाको-** फ्रांस के पास स्थित मोनाको भी एक बेहद अमीर और छोटा देश है, जिसकी कोई अपनी सेना नहीं है। फ्रांस के साथ हुए समझौते के अनुसार, अगर मोनाको को कभी सुरक्षा की जरूरत पड़ी तो फ्रांस उसे पूरी सुरक्षा देगा। यहां की स्थानीय पुलिस छोटे-मोटे अपराधों की निगरानी करती है। लेकिन यहां का माहौल इतना शांत है कि लोग निडर होकर दिन-रात कहीं भी घूम सकते हैं। अंडोरा-स्पेन और फ्रांस के बीच बसा अंडोरा भी एक देश है जिसकी कोई स्थायी सेना नहीं है। इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी फ्रांस और स्पेन के पास है। यह देश अपनी पर्यटन, प्राकृतिक सुंदरता और शांत लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है। यहां लोग शांति से रहते हैं और अपराध की घटनाएं बहुत कम देखने को मिलती हैं।

# कुत्ते की हुई गोदभराई, लोगों ने ऑनलाइन भेजा शगुन, ब्लैक जर्मन शेफर्ड को दिया जन्म

अपने आजतक कई गोदभराई देखी होगी। फिल्मों की वजह से अब गोदभराई का ट्रेंड घर-घर में चल गया है। वरना पहले तो बच्चे के जन्म के बाद पड़ोसियों को ही जानकारी दी जाती थी। ऐसा अक्सर नजर लगने से बचाने के कारण किया जाता था। लेकिन जब से बॉलीवुड फिल्मों का क्रेज बड़ा है, तब से गोद भराई की रस्म की जाने लगी है। लेकिन इंसानों की गोदभराई के बाद अब कुत्तों की भी गोदभराई का मामला सामने आने लगा है।

सोशल मीडिया पर एक लड़की ने अपनी पालतू डॉगी की गोदभराई का वीडियो शेयर किया। उसने अपने फॉलोवर्स को बताया कि उसकी डॉगी ने एक प्यारे से मेल पपी को जन्म दिया है। दोनों ही स्वस्थ्य हैं लेकिन अब डॉगी एक सिंगल मदर के तौर पर अपने आप को प्रूव कर रही है। मां बनने की ये जर्नी खूब वायरल हो रही है। खासकर उसकी गोदभराई की तस्वीर लोगों का दिल जीत रही है। वायरल वीडियो डुमरा परिवार की तरफ से शेयर किया गया, जिसमें उन्होंने जानकारी दी कि उनके घर थंडर आया है। ये एक काले रंग का डबल कोट ब्लैक जर्मन शेफर्ड है। परिवार वालों ने थंडर के जन्म से पहले उसकी मां की गोदभराई भी की थी। इसमें फूले पेट के साथ थंडर की मां बेहद खूबसूरत दिख रही थी। कई लोगों ने दोनों को आशीर्वाद के तौर पर ऑनलाइन शगुन भेजा। इस क्यूट से वीडियो ने लोगों का दिल जीत लिया। इस वीडियो को अभी तक लाखों बार देखा जा चुका है। लोगों ने दोनों को ही ढेर सारा आशीर्वाद दिया। साथ ही लिखा कि दोनों ही बेहद खूबसूरत हैं। नवजात बच्चे और उसकी मां का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंड कर रहा है। आपको बता दें कि पिछले कुछ समय से ऐसी कई खबरें सामने आई है। कई परिवार में लोग अपने पालतू डॉग्स के बच्चे होने पर उसकी छठी करते नजर आए। कई मामले ऐसे भी सामने आए जहां डॉग्स की शादी की गई। ये सारी घटनाएं लोगों का जमकर ध्यान खींच रही है।

# कमजोरों को जोड़कर आगे बढ़ेगी कांग्रेस

## राहुल बोले- हमारी टीम में अब गरीब, पिछड़े व अति पिछड़े

» नेता प्रतिपक्ष बोले- भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते जातीय जनगणना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**देश को बिहार की जनता डायरेक्शन देती है**

पटना। जो अबतक राष्ट्रीय जनता दल के कोर वोटर थे, कांग्रेस उसपर लक्ष्य कर रही है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह बात घुमाकर लेकिन साफ-साफ कह दी है। राहुल ने बिहार में कांग्रेस पार्टी की भूमिका बताते हुए कहा कि गरीब, कमजोर, ईबीसी, ओबीसी, दलित और सामान्य लोगों को जोड़कर इज्जत देकर आगे बढ़ाना ही कांग्रेस पार्टी का काम है। कांग्रेस को पहले जो काम करना चाहिए था, जिस मजबूती से काम करना चाहिए था। वह हमने नहीं किया। हम अपनी गलती से समझे हैं। और हम बिना रुके पूरी शक्ति के साथ बिहार के कमजोर और गरीब लोगों को लेकर एकसाथ आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि आरएसएस-भाजपा जातीय जनगणना नहीं चाहते हैं। कुछ दिन पहले हमने अपने जिला अध्यक्षों का चुनाव किया। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह एक बड़ा कदम है। लेकिन, यह जरूरी कदम है। पहले हमारे जिलाध्यक्षों की लिस्ट में दो तिहाई सवर्ण थे। अब हमारी सूची में पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग के लोग हैं। मैंने बिहार की टीम को साफ बता दिया है कि आपका काम बिहार के गरीबों का नेतृत्व करना है। आपको गरीबों, दलितों को आगे बढ़ाना है। हम आपको राजनीति में लाकर बिहार का चेहरा बदलना चाहते हैं। जो आज बिहार में हो रहा। जो एनडीए की सरकार बिहार में कर रही है। चुने हुए अरबपतियों के जरिए राजनीति चल रही है। उसको हम हराने जा रहे हैं। राहुल ने कहा कि हम जानते हैं कि इस देश को बिहार की जनता डायरेक्शन देती है। जब राजनीतिक बदलाव हुआ, अंग्रेजी के खिलाफ राजनीतिक बदलाव आया, तो बिहार की जनता ने आवाज बुलंद कर यह बदलाव लाया। हम सबसे जरूरी लक्ष्य संविधान की रक्षा करना चाहते हैं। पहले पीएम मोदी 400 पार का नारा देते थे तो इंडिया गठबंधन सामने आया तो रिजल्ट सबके सामने है। आपने लोकसभा चुनाव में संविधान को बचाने का काम किया। जहां भी मेरी जरूरत होगी आप मुझे बुलाओ मैं हाजिर हो जाऊंगा। आपकी लड़ाई मेरी लड़ाई है।

### कांग्रेस को बिहार में जीरो मिलेगा : शहनवाज

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने दावा किया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बिहार के बेगूसराय में 'पलायन रोको, नौकरी दो' पद यात्रा से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। शाहनवाज ने कहा कि उन्हें पता होना चाहिए कि बिहार को बर्बाद करने के लिए कांग्रेस भी जिम्मेदार है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब उसने सिर्फ दंगे भड़काए। दिल्ली में कांग्रेस को जीरो मिला और बिहार में भी जीरो मिलेगा। राहुल आरजेडी पर दबाव बनाने के लिए बिहार गए हैं। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस इस सच्चाई से बच नहीं सकती। राहुल इसलिए भी राज्य का दौरा कर रहे हैं क्योंकि कांग्रेस को तेजस्वी से कोई समर्थन नहीं मिल रहा है।

### बिहार में नहीं गलेगी राहुल की दाल : मांझी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि राहुल गांधी के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, उनका एकमात्र एजेंडा यह है कि अगला प्रधानमंत्री कौन बने। सोमवार को गया में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मांझी ने यह भी कहा कि राहुल गांधी केवल देशभर में दौड़ लगाकर पीएम बनने की चाह में भ्रम फैलाते फिर रहे हैं। लेकिन बिहार की जनता अब उनके झांसे में आने वाली नहीं है। जीतन राम मांझी ने सवाल उठाया कि राहुल गांधी को खुद पहले यह बताना चाहिए कि क्या इंडिया गठबंधन ने उन्हें पीएम पद का उम्मीदवार स्वीकार कर लिया है? उन्होंने कांग्रेस के 60 वर्षों के शासन को याद करते हुए कहा कि उस दौर में पार्टी ने रोजगार के क्षेत्र में कुछ ठोस नहीं किया। जबकि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने हर साल दो करोड़ रोजगार देने का जो वादा किया था, उससे भी ज्यादा 'नियोजन' दिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने इंडिया गठबंधन को लेकर तंज कसते हुए कहा कि इनकी एकता ढाल और तलवार जैसी है- साथ तो हैं लेकिन केवल दिखावे के लिए। उन्होंने कहा कि ये दल एकजुट होकर भी कोई ठोस काम नहीं कर पाए। अब जब आपसी मतभेद गहरा गया है, तब मिलकर दौरा कर रहे हैं और सिर्फ नारेबाजी कर रहे हैं। लेकिन इससे आम जनता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

# भारत को वास्तविकता स्वीकार करनी होगी : राहुल गांधी

» ट्रंप ने भ्रम से पर्दा हटाया, कहीं नजर नहीं आ रहे पीएम मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**बाजार में जारी उथल-पुथल के बीच बोले नेता प्रतिपक्ष**

नई दिल्ली। शेयर बाजारों में उथल-पुथल और अमेरिका के पारस्परिक शुल्कों के कारण समायोजन करने वाले देशों के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भ्रम से पर्दा उठा दिया है और भारत को एक लचीली, उत्पादन-आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना होगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर कहा, ने भ्रम से पर्दा उठा दिया है। वास्तविकता पीछे हट रही है। पीएम मोदी कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि भारत को वास्तविकता को स्वीकार करना होगा।

हमारे पास एक लचीली, उत्पादन-आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है जो सभी भारतीयों के लिए काम करे। इससे पहले पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के कारण शेयर बाजार में गिरावट आई है। उन्होंने कहा,अमेरिकी राष्ट्रपति के कारण शेयर बाजार में गिरावट आई है। यहां 1 प्रतिशत से भी कम लोगों ने अपना पैसा शेयर बाजार में लगाया है, जिसका मतलब है कि शेयर बाजार आपके लिए नहीं है। इसमें असीमित पैसा कमाया जाता है, लेकिन आपको इसका लाभ नहीं मिलता।

» शपथ ग्रहण और होली मिलन समारोह आयोजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आनन्द मिश्र नगर निगम एवं जलकल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बन गए हैं। कमचारियों के संघ के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। महामंत्री के पद पर सैय्यद कैसर रजा दोबारा चुने गए। अमरेंद्र दीक्षित उपाध्यक्ष बने। 60 सदस्यीय नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह एवं अन्य महासंघ के सहयोगी संगठन उप्र नगर निगम चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के राम कुमार रावत अध्यक्ष, जीतेन्द्र सिद्धार्थ महामंत्री सहित 28 सदस्यीय तथा नगर निगम नियमित एवं संविदा सफाई कर्मचारी संघ के रूपेश उर्फ पिन्टू अध्यक्ष, सुमित कुमार बाल्मीकि महामंत्री सहित 15 सदस्यीय नव निर्वाचित पदाधिकारियों का भी शपथ ग्रहण हुआ।

इस अवसर पर नगर निगम एवं जलकल परिवारजनों होली मिलन समारोह सामूहिक रूप से नगर निगम लालबाग स्थित त्रिलोकनाथ हाल में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डा. दिनेश शर्मा, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सदस्य तथा विशिष्ठ अतिथि 0 महापौर नगर निगम लखनऊ के साथ-साथ पार्षदगण, नगर आयुक्त, महाप्रबन्धक, जलकल एवं अन्य उच्चाधिकारीगणों तथा बड़ी संख्या में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी एवं उप्र स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के प्रदेश पदाधिकारी की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

# 10 साल बाद आरसीबी ने मुंबई को वानखेड़े में हराया

» कोहली-पाटीदार के बाद क्रूणाल पांड्या चमके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। क्रूणाल पांड्या की घातक गेंदबाजी के दमपर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई इंडियंस को 12 रन से हराकर इस सत्र की तीसरी जीत दर्ज की। सोमवार को वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 221 रन बनाने में कोहली के 67 रन और रजत पाटीदार के 64 रन का अहम योगदान रहा। बनाए। जवाब में मुंबई निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर सिर्फ 209 रन बना सकी। 2015 के बाद यह आरसीबी की इस मैदान पर मुंबई के खिलाफ पहली जीत है। वहीं, वानखेड़े में मुंबई के खिलाफ आईपीएल इतिहास की यह उनकी चौथी जीत है।

आरसीबी इसके साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई। उनके खाते में छह अंक है। वहीं, मुंबई को इस सत्र में चौथी और लगातार दूसरी शिकस्त मिली है। टीम आठवें स्थान पर है। शीर्ष पर छह अंक के साथ दिल्ली कैपिटल्स है। 222 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरुआत झटके के साथ हुई थी। रोहित एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। 99 पर चार रन खो चुकी मुंबई को पांड्या सहारा दिया उन्होंने 15 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 42 रन बनाए। उन्होंने तिलक के साथ 34 गेंदों में 89 रन की साझेदारी निभाई। वहीं पारी के आखिरी ओवर में क्रूणाल ने तीन विकेट लेकर पासा पलट दिया और आरसीबी ने रोमांच मैच में जीत हासिल कर ली।

### हार्दिक टी20 में 5 हजार रन और 200 विकेट लेने वाले बने पहले भारतीय

हार्दिक आरसीबी के खिलाफ मैच के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह टी20 में 5000 रन और 200 विकेट पूरे करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। हार्दिक ने लियाम लिविंगस्टोन को आउट किया जो टी20 में उनका 200वां शिकार बने। इससे पहले उन्होंने विराट कोहली को आउट किया था। हार्दिक से पहले यह उपलब्धि ड्वेन ब्रावो, शाकिब अल हसन, आंद्रे रसेल, मोहम्मद नबी, समित पटेल, कीरोन पोलार्ड, रवि बोपारा, डेनियल क्रिस्टियन, मोईन अली, शेन वाटसन और मोहम्मद हफीज के नाम है।

# जम्मू-कश्मीर विधानसभा में दूसरे दिन भी वक्फ कानून पर हंगामा

## » नेकां और पीपुल्स कांफ्रेंस विधायकों के बीच झड़प, भाजपा विधायकों ने भी विरोध किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मंगलवार को दूसरे दिन भी वक्फ कानून पर हंगामा जारी है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रस्ताव के पर भाजपा विधायकों ने विरोध किया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक वक्फ कानून पर चर्चा की मांग पर अड़े हैं। दूसरे दिन हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही शुरू हुई। इस दौरान नेकां और पीपुल्स कांफ्रेंस के बीच नोकझोंक हुई। नेकां और पीडीपी विधायकों के बीच भी बहस हुई।

नेकां के विधायक वक्फ कानून पर विधानसभा में बहस की मांग पर अड़े हैं। विधानसभा के बजट सत्र का 13 दिनों बाद शुरू हुआ दूसरे चरण का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। सुबह प्रश्नकाल के शुरू होते ही सत्तापक्ष के तनवीर सादिक, कांग्रेस, पीडीपी व निर्दलीय विधायकों ने वक्फ कानून पर बहस के लिए स्थगन प्रस्ताव लाने की मांग की। इसे स्पीकर एडवोकेट अब्दुल रहीम राथर ने खारिज कर दिया। उन्होंने विधानसभा के नियम 58 के उप नियम सात का हवाला दिया। कहा, न्यायालय में विचाराधीन मामलों पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती। इसका सत्तापक्ष के विधायकों व सहयोगियों ने विरोध जताया। वे वेल की तरफ आए और नारेबाजी करने लगे। वहीं भाजपा विधायकों ने कानून के समर्थन में नारेबाजी की। कहा, जिस कानून को देश के सदन ने पास किया है उस पर जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में चर्चा नहीं हो सकती है।

### विधानसभा में कानून पर चर्चा होनी चाहिए : मुबारक गुल

नेकां विधायक मुबारक गुल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर मुस्लिम बहुल प्रदेश है। विधानसभा में वक्फ कानून पर चर्चा होनी चाहिए। प्रदेश के लोग इस कानून के खिलाफ हैं। कहा, क्या हम इस पर चर्चा न कर मुंह पर ताले लगा लें। भाजपा अगर सच में इस बिल को अच्छा बता रही है तो सदन में बताती कि मुसलमानों में इसके लिए क्या है। इस विधेयक का सदन में गैर-मुस्लिम सांसदों ने विरोध जताया है। हम भी विधानसभा में विधेयक पर चर्चा करना चाहते थे, लेकिन भाजपा विधायक हाथापाई पर उतर आए।

### नेकां विधायक सिर्फ ड्रॉमे कर रहे : नेता प्रतिपक्ष

नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि नेकां विधायक जो उपमुख्यमंत्री भी रहे हैं, ने सदन में कहा कि विधानसभा की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। ऐसा पहला बार हुआ है। यह ट्रेजरी बेंच के विधायकों और चेयर के बीच फिक्सड मैच जैसा था। यह सब मीडिया गैलरी को दिखाने के लिए था। यह कश्मीर के गरीब बच्चों की धार्मिक भावनाओं को भड़काकर पत्थर थमाने की कोशिश है। नेकां विधायक सिर्फ ड्रामे कर रहे हैं। जबकि, लोकसभा में विधेयक पर चर्चा के दौरान नेकां सांसद गायब रहे। मीडिया में बयान देने के लिए उन्हें कहा गया था। यह लोग कश्मीर में सिर्फ अपना विरोध वाला फोटो भेजना चाहते हैं। कहा, सीएम ने केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू का अच्छे से स्वागत किया, जबकि उन्होंने ही वक्फ संशोधन विधेयक को टेबल किया था। सीएम की यह अच्छी बात है।

### सत्तापक्ष लोगों को गुमराह कर रहा

भाजपा व विपक्ष ने कहा सत्तापक्ष इस मामले में लोगों को गुमराह कर रहा है। तीखी नोक-झोंक के बीच नेकां विधायक सलाम सागर, सज्जाद शहीन, तनवीर सादिक सहित अन्य विधायक वेल की तरफ बढ़े और वक्फ कानून के विरोध में पर्चे लहराए। सलमान ने प्रश्नकाल के पर्चे फाड़े तो तनवीर सादिक ने अपनी काली बास्केट फाड़कर विरोध जताया। विधायकों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर मुस्लिम बहुल आबादी वाला प्रदेश है।

### प्रश्नकाल की कार्यवाही नहीं हो पाई

आज सदन में हंगामे और विवाद के कारण प्रश्नकाल की कार्यवाही रोकनी पड़ी। पीडीपी विधायक वाहिद परा को स्पीकर के आदेश पर मार्शलों द्वारा बाहर निकाले जाने के बाद स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। सदन में आम आदमी पार्टी के विधायक महाराज मलिक और भाजपा विधायक विक्रम रंधावा द्वारा मुफ्ती पर की गई टिप्पणी के बाद पीडीपी प्रवक्ता मोहित और आप विधायक महाराज मलिक के बीच तीखी बहस हुई। इस बहस ने सदन में हड़कंप मचा दिया और दोनों पक्षों में बहस जारी रही। बाद में, स्पीकर ने सदन को आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया ताकि सब कुछ शांत हो जाए। लेकिन इसके बावजूद प्रश्नकाल की कार्यवाही दूसरे दिन भी नहीं हुई। इस घटनाक्रम ने सदन की कार्यवाही को प्रभावित किया।

### सत्तापक्ष व भाजपा विधायकों में धक्का-मुक्की

इससे पहले को वक्फ कानून पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। सत्ता पक्ष के विधायकों ने इसे मुस्लिम विरोधी करार दिया। भाजपा ने इसका विरोध किया। इससे मामला गरमा गया। दोनों पक्षों में तीखी नोक-झोंक हुई। कांग्रेस विधायक इरफान अहमद लोन और भाजपा विधायक सतीश शर्मा के बीच धक्का-मुक्की हो गई। विधेयक के विरोध में लिखे नारों के कागज फाड़ दिए गए।

# प्रधानमंत्री मोदी को अर्थशास्त्र का ज्ञान नहीं : पी. चिदंबरम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर उनकी इस टिप्पणी के लिए निशाना साधा कि केंद्र ने तमिलनाडु के विकास के लिए 2014 से पहले की अवधि की तुलना में तीन गुना अधिक धनराशि आवंटित की है। पूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि अर्थशास्त्र विषय का प्रथम वर्ष का छात्र भी यह बता सकेगा कि पिछले वर्षों की तुलना में 'आर्थिक मेट्रिक' (अर्थव्यवस्था का आकार) हमेशा अधिक रहेगा।

चिदंबरम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, '' माननीय प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री लगातार कहते हैं कि उन्होंने 2014-24 में तमिलनाडु को 2004-14 की तुलना में अधिक धनराशि दी है। उदाहरण के लिए, माननीय प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने तमिलनाडु में रेलवे परियोजनाओं के लिए पहले की तुलना में सात गुना अधिक धनराशि दी है। कांग्रेस नेता ने कहा,'' अर्थशास्त्र के प्रथम वर्ष के छात्र से पूछिए। वह आपको बताएगा कि आर्थिक 'मेट्रिक हमेशा पिछले वर्षों की तुलना में अधिक होगा। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आकार पहले की तुलना में अब बड़ा है। केंद्रीय बजट का आकार हर साल पिछले वर्ष की तुलना में बड़ा होता है। सरकार का कुल व्यय हर साल पिछले वर्ष की तुलना में बड़ा होता है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने सवाल किया, ''आप पिछले साल से एक साल बड़े हैं। संख्या के लिहाज से तो यह संख्या बड़ी होगी, लेकिन क्या यह जीडीपी के अनुपात के लिहाज से अधिक है या कुल व्यय के अनुपात के लिहाज से अधिक है? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन और उनके राज्य से मिलने वाली सुशासन की प्रेरणा राष्ट्र निर्माण का बड़ा आधार है। प्रधानमंत्री ने यहां रामेश्वरम द्वीप और मुख्य भूमि क्षेत्र के बीच रेल संपर्क की सुविधा प्रदान करने वाले पंबन समुद्री पुल के उद्घाटन और नयी रामेश्वरम-तांबरम (चेन्नई) ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर तमिलनाडु में 8300 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

# मुझे न्यायालय पर पूरा भरोसा : सांसद बर्क

## » सांसद बोले- जांच में पूरा सहयोग करूंगा

## » संभल हिंसा पर एसआईटी की पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संभल। समाजवादी पार्टी सांसद जियाउर्रहमान बर्क से संभल हिंसा मामले में संभल कोतवाली में पूछताछ चल रही है। एसआईटी टीम के 3 अफसर बर्क से पूछताछ कर रहे हैं। बर्क से पूछताछ 11 बजकर 45 पर शुरू हुई थी, पूछताछ के लिए जाने से पहले बर्क ने कहा कि उनको न्यायालय पर पूरा भरोसा है। वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे।

संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। बीते साल 24 नवंबर को संभल में हुई हिंसा के मामले में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को आरोपी बनाया गया है। उन पर लोगों को भड़काने का आरोप है। इसी सिलसिले में हाल ही में एसआईटी ने जियाउर्रहमान बर्क को नोटिस भेजा था। आखिर पुलिस संभल के सांसद बर्क से क्यों पूछताछ कर रही है? पुलिस का ग्राउंड क्या है? बर्क से मंगलवार को क्या क्या सवाल पूछे गए हैं, आप इससे समझ सकते हैं.।

संभल की जामा मस्जिद में कोर्ट के आदेश के बाद 19 नवंबर को सर्वे का पहला चरण पूरा हुआ था। अंधेरा होने के कारण सर्वे अधूरा रह गया था, दूसरे चरण के सर्वे का काम 24 नवंबर को तय हुआ. इसे गुप्त रखा गया था, बकौल पुलिस इसकी जानकारी किसी को नहीं दी गई थी।

### मेरा नाम गलत तरीके से घसीटा गया

इससे पहले समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने बीते 26 मार्च को अपने खिलाफ जारी किए गए नोटिस पर कहा था कि मामले में उनका नाम गलत तरीके से घसीटा गया है. बर्क ने कहा था, जब मुकदमा दर्ज हुआ और मेरा नाम गलत तरीके से इसमें शामिल किया गया, तो मैंने अखिलेश यादव के नेतृत्व में स्पीकर साहब से मुलाकात की थी. मैंने अपने साथ हुए अन्याय के बारे में चिंता जताई थी, क्योंकि मुझे सुरक्षा का अधिकार है. इस कारण हमने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि हमें न्याय मिले।

# अप्रैल में ही जलाने लगी गर्मी

## » दिल्ली-यूपी में लू की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में मौसम विभाग ने लू की चेतावनी जारी कर दी है। अप्रैल के महीने में ही इस बार जून जैसे हालात हो गए हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि लोगों को लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ सकता है।

मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए दिल्ली से सटे लगभग 15 जिलों में लू के थपेड़े चलने की चेतावनी जारी की है। बीते सोमवार को इस सीजन में अधिकतम तापमान पहली बार 40 के पार चला गया। वहीं मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार दिन भर लू चलेगी। दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस अधिक 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.2 डिग्री अधिक 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

### आज से बन रहा एक पश्चिमी विक्षोभ

वहीं आठ अप्रैल को एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में दस्तक दे रहा है, इसका असर 9 से 11 अप्रैल तक रहेगा। इस कारण से दस अप्रैल को आंशिक बादल छाने की संभावना है। जिससे हल्की बारिश होने की संभावना है। हालांकि इससे तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट ही होगी। पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होने के बाद तापमान में एक बार फिर से बढ़ोतरी होनी शुरू होगी।

# ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

## अतिरिक्त शिक्षक पदों की सीबीआई जांच नहीं, शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश को खारिज किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल कैबिनेट की ओर से अतिरिक्त पदों के सृजन के फैसले की सीबीआई जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के एक हिस्से को खारिज कर दिया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के अन्य पहलुओं के संबंध में सीबीआई जांच जारी रहेगी।

दरअसल, कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले के उस हिस्से को खारिज किया गया है, जिसमें राज्य सरकार की ओर से संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में अतिरिक्त पदों के सृजन के पश्चिम बंगाल कैबिनेट के फैसले की सीबीआई जांच का आदेश दिया गया था। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने साफ किया कि 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति से जुड़े अन्य पहलुओं की सीबीआई जांच जारी रहेगी। अधिवक्ता विकास रंजन भट्टाचार्य ने कहा, आज सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कैबिनेट के खिलाफ सीबीआई जांच के लिए हाईकोर्ट का निर्देश अनावश्यक था। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश के उस हिस्से को रद्द कर दिया है। अब सीबीआई कैबिनेट के फैसले के लिए कैबिनेट सदस्यों के खिलाफ जांच नहीं कर सकती है। यह अन्य चीजों के लिए नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सीबीआई जांच के निर्देश को छोड़कर अन्य सभी अदालती आदेश लागू रहेंगे।

### क्या है अतिरिक्त पद का मामला

अतिरिक्त पद से मतलब ऐसे अस्थायी पद से है, जो किसी ऐसे कर्मचारी को समायोजित करने के लिए सृजित किया गया हो, जो किसी ऐसे नियमित पद का हकदार हो, जिसका वर्तमान में कोई वजूद नहीं है।

### 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की रद्द हुई थी नियुक्ति

इससे पहले मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने 3 अप्रैल को 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार देते हुए पूरी चयन प्रक्रिया को भ्रष्ट और दागदार करार दिया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।